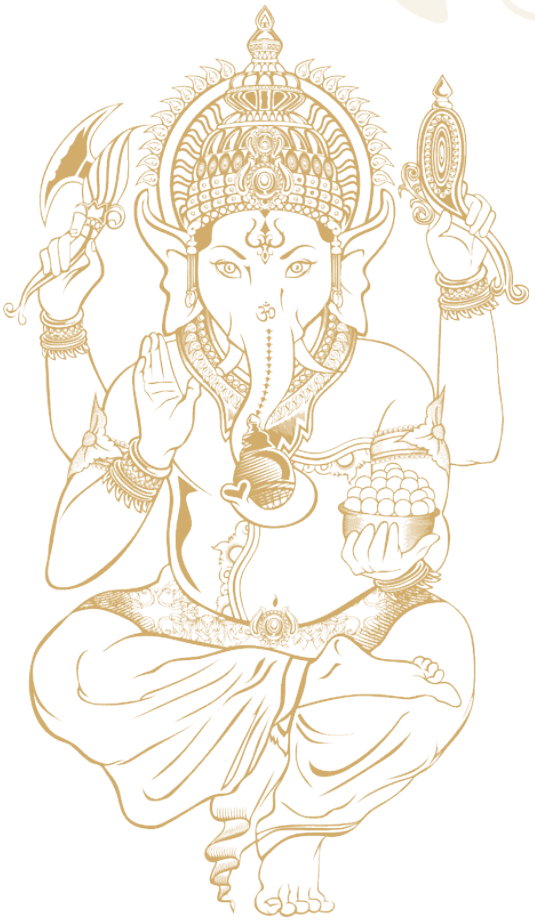

Mr. Sahil

Ms.sanjna

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119714002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/05/1998	जन्म तिथि	24/01/2003
गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 06:30:00	जन्म समय	20:50:00 घंटे
घटी 02:33:35	जन्म समय(घटी)	33:18:58 घटी
India	देश	India
Jammu	स्थान	Jammu
32:42:00 उत्तर	अक्षांश	32:42:00 उत्तर
74:52:00 पूर्व	रेखांश	74:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:32	स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:28:33	सूर्योदय	07:30:24
19:26:02	सूर्यास्त	17:54:59
23:49:56	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:45

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 3वर्ष 10मा 7दि		21:17:07	वृष	लग्न	सिंह	17:43:55	मंगल 3वर्ष 0मा 7दि	
बुध		05:57:49	वृष	सूर्य	मक	10:19:10	गुरु	
28/03/2021		00:07:20	मीन	चंद्र	तुला	00:54:50	01/02/2024	
28/03/2038		03:56:49	वृष	मंगल	वृश्चि	10:54:38	01/02/2040	
बुध	25/08/2023	15:17:26	मेष	बुध	धनु	18:33:54	गुरु	21/03/2026
केतु	21/08/2024	29:14:46	कुंभ	गुरु व	कर्क	20:21:42	शनि	02/10/2028
शुक्र	22/06/2027	25:48:54	मीन	शुक्र	वृश्चि	23:59:00	बुध	07/01/2031
सूर्य	27/04/2028	04:06:56	मेष	शनि व	वृष	28:59:29	केतु	14/12/2031
चन्द्र	27/09/2029	12:52:53	सिंह व	राहु व	वृष	13:01:56	शुक्र	14/08/2034
मंगल	24/09/2030	12:52:53	कुंभ व	केतु व	वृश्चि	13:01:56	सूर्य	03/06/2035
राहु	12/04/2033	18:54:22	मक व	हर्ष	कुंभ	03:32:22	चन्द्र	02/10/2036
गुरु	19/07/2035	08:15:27	मक व	नेप	मक	16:31:36	मंगल	07/09/2037
शनि	28/03/2038	13:03:29	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	25:09:52	राहु	01/02/2040

लग्न-चलित

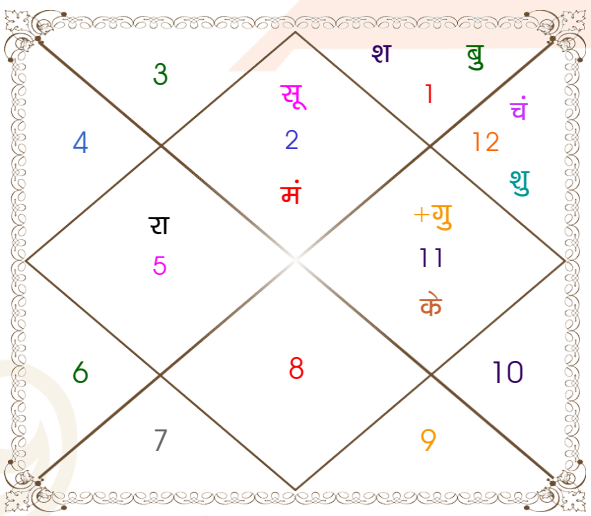

लग्न-चलित

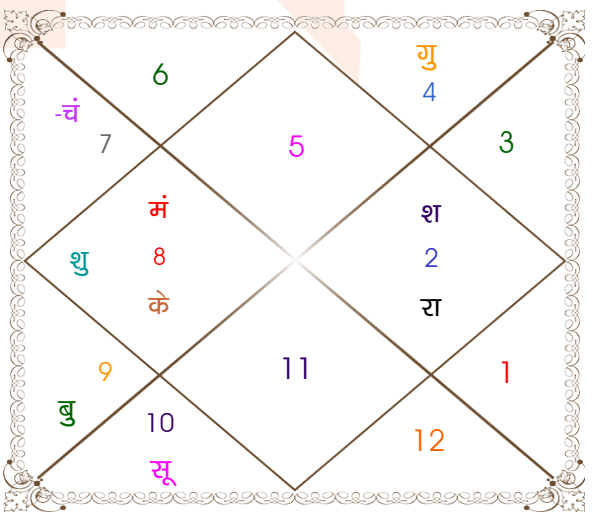

पंडित गोविन्द ज्योतिषी
शिव ज्योतिष कार्यालय
चांद नगर जम्मू-
7006148947

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतर्ण्ौपस का वर्ग सर्प है तथा Ms.sanjna का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतर्ण्ौपस और Ms.sanjna का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतर्ण्ौपस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Ms.sanjna मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.sanjna कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.sanjna कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डतर्ण्ौपस कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतर्ण्ौपस तथा Ms.sanjna में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।